आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर
Block-4, RKS Sankul, JLN Road, Jaipur-302015, Rajasthan
Website: http://hte.rajasthan.gov.in/dept/dce/
e-mail: jdacad1960@gmail.com Ph.: 0141-2706550

क्रमांकःएफ 8(सेमिनार) अकादमिक अव./अकाद/आकाशि/2023—00709/पार्ट—02/

प्राचार्य,
डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय
श्रीगंगानगर।

विषयः— दिनांक 25.11.2024 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में राजकीय महाविद्यालयों से भाग लेने वाले आचार्य/सह/सहायक आचार्यो/व्याख्याताओं के अकादमिक अवकाश स्वीकृत करने के सम्बन्ध में।

संदर्भः— आपका पत्र क्रमांक 6584 दिनांक 29.10.2024 एवं 6638 दिनांक 06.11.2024 (प्रति संलग्न)।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्र के क्रम में लेख है कि आप द्वारा दिनांक 25.11.2024 को आयोजि **"ग्लोबल साउथ में भारत की बढ़ती भागीदारी से अर्थव्यवस्था पर प्रभाव"** विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने के इच्छुक राजकीय महाविद्यालयों के विभिन्न विषयों के संकाय सदस्य आपके आमंत्रण पत्र प्राप्त होने पर भाग ले सकते है।

उक्त राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने वाले राजकीय महाविद्यालयों के आचार्य/सह/सहायक आचार्यो/व्याख्याताओं के निर्धारित प्रपत्र में आवेदन करने पर सम्बन्धित प्राचार्य द्वारा उन्हें नियमानुसार अकादमिक अवकाश स्वीकृत कर दिया जायेगा।

यह सक्षम स्तर से अनुमोदित है।

संलग्नः— उपरोक्तानुसार

(प्रो.विजय सिंह जाट)
संयुक्त निदेशक (अकादमिक)

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ प्रेषित है :—

1. निजी सचिव, आयुक्त, कॉलेज शिक्षा राजस्थान, जयपुर।
2. निजी सचिव, अतिरिक्त आयुक्त, कॉलेज शिक्षा राजस्थान, जयपुर
3. प्राचार्य, समस्त राजकीय महाविद्यालय, राजस्थान।
4. वेबसाईट प्रभारी, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, जयपुर को अपलोड करने हेतु।
5. रक्षित पत्रावली।

(प्रो.विजय सिंह जाट)
संयुक्त निदेशक (अकादमिक)

Signature valid
Digitally signed by Vijay Singh Jat
Designation : Joint Director
Date: 2024.11.12 16:43:55 IST
Reason: Approved

कार्यालय प्राचार्य, डॉ. भीमराव अम्बेडकर
राजकीय महाविद्यालय, श्रीगंगानगर
Email ID - gcsgnr1946@gmail.com, Phone & Fax No. 01542440056

बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ
Beti Bachao-Beti Padhao

जीसीजी / 2024 / 6638 | दिनांक : 06.11.2024

श्रीमान आयुक्त महोदय,
आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान,
जयपुर।

विषयः— राष्ट्रीय संगोष्ठी की तिथि परिवर्तन (25.11.2024) एवं आगन्तुकों के लिए अकादमिक अवकाश का पत्र जारी करने बाबत्।

संदर्भः— इस कार्यालय के पूर्व पत्रांक जीसीजी / 2024 / 6585 दिनांक 29.10.2024

महोदय,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत एवं संदर्भित पत्र के क्रम में निवेदन है कि महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय द्वारा दिनांक 09.11.2024 को राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की जा रही थी किन्तु इस दिन विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा श्रीगंगानगर जिला बंद का आह्वान किया गया है। कानून व्यवस्था बिगड़ने, यातायात व्यवस्था उपलब्ध नहीं होने, शैक्षणिक संस्थाओं के बंद करवाये जाने आदि व्यवधानों के मध्यनजर इस संगोष्ठी को आगामी दिनांक 25.11.2024 का आयोजित करवाने के सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है।

महोदय। कृपया इस संगोष्ठी में आने वाले राज्य के प्रतिभागियों यथा प्राचार्य, संयुक्त निदेशक, आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्यों के लिए एक दिवस (25.11.2024) का अकादमिक अवकाश की स्वीकृति का पत्र जारी कर अनुगृहीत करें।

संलग्नः— बैठक सूक्ष्म

(डॉ. बलवंत सिंह चौहान)
प्राचार्य
डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय
महाविद्यालय, श्रीगंगानगर

कार्यालय प्राचार्य, डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय, श्रीगंगानगर

Email ID - gcsgnr1946@gmail.com, Phone & Fax No. 01542440056

बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ
Beti Bachao-Beti Padhao

क्रमांक – जीसीजी/2024/ 6584 दिनांक – 29.10.2024

श्रीमान आयुक्त महोदय,
आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान,
जयपुर ।

विषय :– दिनांक 09.11.2024 को महाविद्यालय में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय संगोष्ठी में राज्य के भाग लेने वाले शिक्षकों हेतु अकादमिक अवकाश देने बाबत् ।

संदर्भ :– इस महाविद्यालय का पूर्व में प्रेषित पत्रांक जीसीजी/2024/6436 दि. 08.10.24

महोदय,

उपर्युक्त संदर्भित पत्र के क्रम में निवेदन है कि दिनांक 09.11.2024 को महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है जिसका शीर्षक ''ग्लोबल साउथ में भारत की बढ़ती भागीदारी से अर्थव्यवस्था पर प्रभाव'' रखा गया है। इस संगोष्ठी में देशभर के शोधार्थी एवं विद्वान शिक्षक भाग लेंगे।

राज्य के प्रतिभागियों यथा प्राचार्य, संयुक्त निदेशक, आचार्य, सह–आचार्य, सहायक आचार्यो को राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने वालों हेतु एक दिवस का अकादमिक अवकाश स्वीकृत कर अनुगृहीत करें।

महोदय ! आप द्वारा स्वीकृति के क्रम में यह कहते हुए हमारा प्रार्थना पत्र वापिस लौटा दिया गया कि (1) निर्धारित प्रारूप में आवेदन नहीं किया गया है। (2) आयोजन दिनांक से पूर्व स्वीकृति हेतु आवेदन किया जाना था, जबकि हमारे द्वारा 08.10.2024 को ही अकादमिक अवकाश की स्वीकृति हेतु प्रार्थना पत्र प्रेषित कर दिया गया था।

संलग्न – पूर्व में प्रेषित स्वीकृति हेतु आवेदन पत्र व संगोष्ठी विवरण

प्रो.(डॉ.) बलवंत सिंह चौहान
प्राचार्य
डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय,
श्रीगंगानगर

कार्यालय प्राचार्य, डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय, श्रीगंगानगर
Email ID - gcsgnr1946@gmail.com, Phone & Fax No. 01542440056

क्रमांक – जीसीजी/2024/ 6436 दिनांक – 08.10.2024

श्रीमान आयुक्त
आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान,
जयपुर

विषय :– दिनांक 09.11.2024 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने हेतु अकादमिक अवकाश बाबत् ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत निवेदन है कि 09.11.2024 को महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिसका शीर्षक ''ग्लोबल साउथ में भारत की बढ़ती भागीदारी से अर्थव्यवस्था पर प्रभाव'' रखा गया है। इसमें देश भर के शोधार्थी और विद्वान भाग लेंगे।

राज्य के प्रतिभागियों – प्राचार्य/संयुक्त निदेशक/आचार्य/सह–आचार्य/सहायक आचार्य को राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने के लिए एक दिवस का अकादमिक अवकाश की स्वीकृति जारी कर अनुगृहीत करें।

सधन्यवाद ।

संलग्न – राष्ट्रीय संगोष्ठी का विवरण पत्र ।

(डॉ. बलवंत सिंह चौहान)
प्राचार्य
डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय
महाविद्यालय, श्रीगंगानगर

प्राचार्य
डॉ.भीमराव अम्बेडकर राजकीय
महाविद्यालय, श्रीगंगानगर

संगोष्ठी के सत्र

पंजीकरण एवं अल्पाहार 9.00 से 10.00
उद्‌घाटन सत्र प्रातः 10.00 से 11.15
प्रथम तकनीकी सत्र 11.15 से 12.30
द्वितीय तकनीकी सत्र 12.30 से 1.30
भोजन विश्राम 1.30 से 2.30
तृतीय तकनीकी सत्र 2.30 से 3.30
चतुर्थ तकनीकी सत्र 3.30 से 4.30
चाय विश्राम 4.30 से 4.45
समापन समारोह 4.45 से 5.45

पंजीकरण शुल्क

शोधार्थी 300/-
शिक्षक 400/-
कॉरपोरेट 800/-
विदेशी 1600/-

शुल्क जमा के लिए बैंक डिटेल

1-Bhupendra Kumar Mahendra
2-Name of Bank: Punjab National Bank
3-Branch : Birbal chowk, Sriganganagar
4-A/C : 00702413000548
5-IFSC: PUNB0043500

ऑनलाईन शुल्क के लिए क्यूआर कोड

VPA ID:- 9460562007@pnb

ऑनलाईन शुल्क के लिए यूपीआई आई डी

9460562007@pnb

नोटः ऑनलाइन शुल्क जमा करवा कर स्क्रीनशॉट व्हाट्सएप नम्बर 9460562007 पर अवश्य प्रेषित करें।

महत्त्वपूर्ण लिंक

1. **Google form link-** https://shoturl.at.oNAFW
2. **WhatsApp group link-**
https://chat.whatsapp.com/LmkiViLz5eXjGwwogwF

महत्त्वपूर्ण तिथियां

1. संगोष्ठी हेतु पंजीयन – 31 अक्टूबर 2024, गूगल फॉर्म से
2. शोधसार प्रेषण अंतिम तिथि – 05 नवम्बर 2024
3. आलेख प्रेषण अंतिम तिथि – 09 नवम्बर 2024

सभी विद्वान् अपने शोध सार या आलेख अंतिम तिथि तक संगोष्ठी संयोजक की मेल पर प्रेषित करें–

commercedeptsgnr@gmail.com

आलेख प्रकाशन नियमावली

संवीक्षा समिति द्वारा प्रकाशन योग्य पाए गए शोध आलेख Peer reviewed journal (Impact factor more than 06) में प्रकाशित किए जाएंगे। आप अपना आलेख हिंदी व अंग्रेजी भाषा में भेज सकते हैं। इसके लिए अपने आलेख अंग्रेजी में Times new Roman साइज 11 तथा हिंदी में Mangal फॉन्ट, साइज 12 में वर्ड फाइल तथा पीडीएफ फाइल में मेल पर भिजवाना सुनिश्चित करें। हस्तलिखित, स्कैन, लिंक, व्हाट्सएप या अन्य रूपों में भेजे गए आलेखों का प्रकाशन नहीं होगा। ईमेल है–

commercedeptsgnr@gmail.com

जिन विद्वानों के आलेख जर्नल में प्रकाशनार्थ चयनित होंगे, उनको आलेख प्रकाशन सहयोग राशि 650/- रूपये देय है। आलेख में दो लेखक होने पर 100/- रुपये अतिरिक्त देने होंगे।

शोध आलेख में एक से अधिक लेखक होने पर सभी लेखकों का पंजीकरण अनिवार्य है तथा शोधालेख केवल 1 ही प्रकाशित होगा। आलेख को प्रूफ रीडिंग के बाद ही भेजें, बाद में आलेख प्रकाशन के दौरान गलतिया सुधारी नहीं जाएंगी। शोधालेख में शीर्षक के बाद अपना पूरा नाम, पद, संस्थान का नाम लिखें तथा शोधालेख के अंत में सन्दर्भ सूची अवश्य लिखें। संदर्भ अंत में हो तथा वह भी 'लेखक का नाम, पुस्तक का नाम, प्रकाशन, वर्ष, पृष्ठ संख्या' आदि के प्रारूप में हो

संरक्षक मंडल
- प्रो. बलवंत सिंह चौहान
- डॉ. इकबाल सिंह
- श्रीमती सुनीता नागपाल
- डॉ. प्रवीण सैनी
- प्रो. नवज्योत मनोत

संगोष्ठी समिति
- डॉ. गोपीराम शर्मा
- डॉ. भूपेंद्र कुमार महेंद्रा
- डॉ. मनीष सरीन
- डॉ. संजीव बंसल
- डॉ. मैनपाल
- डॉ. सुशीलादेवी यादव
- डॉ. भावना ग्रोवर
- डॉ. राहुल

आयोजन मंडल
- प्रो. राजेंद्र कड़वासरा
- डॉ. चंद्रपाल जांदू
- डॉ. रजत भोला
- श्री आत्माराम
- श्री अरविंद सुलानिया
- श्री कालूराम
- सुश्री कोमल बंसल
- श्री विकास सोलंकी
- श्री राजेंद्र
- श्री अजय कुमार
- श्री रोहित बिश्नोई
- श्री अमित कुमार
- श्री अशोक कुमार
- श्री निर्भय सिंह
- श्रीमती गीतांजलि
- श्री जगदीप सिंह तुली
- श्री देवेंद्र सिंह
- श्रीमती ज्योति सिसोदिया
- सुश्री आस्था जैन

स्वागत समिति
- प्रो. पूनम सिंह
- प्रो. नवीन तिवारी
- प्रो. राजेंद्र कुमार टाक
- प्रो. परनीत जग्गी
- डॉ. मनीष सरीन
- डॉ. रिंकू चावला

परामर्श मंडल
- प्रो. ओ. पी. तिवारी
- प्रो. चारुलता वर्मा
- प्रो. एस. एस. खीची
- प्रो. विक्रम दिओल
- प्रो. अरुण शैहरिया
- श्रीमती कविता शर्मा
- श्री डी. डी. शर्मा
- डॉ. पी. आर. सुथार

स्नातकोत्तर वाणिज्य संकाय

डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय श्रीगंगानगर, राजस्थान 335001

राष्ट्रीय संगोष्ठी

ग्लोबल साउथ में भारत की बढ़ती भागीदारी से अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

(हाइब्रिड मॉड-बहुविषयक संगोष्ठी)

09 नवम्बर 2024, शनिवार

संरक्षक
डॉ. बलवंत सिंह चौहान
प्राचार्य

समन्वयक
डॉ. गोपीराम शर्मा
9461550103

निदेशक
डॉ. संजीव बंसल
9414501725

संयोजक
डॉ. पंकज ग्रोवर
9214349407

आयोजन सचिव
डॉ. भूपेन्द्र कुमार महेन्द्रा
9460562007

सह-संयोजक
डॉ. कुशाग्र सिंह नेगी
8952859654

सह-सचिव
मुकेश कुमार पंवार
9024211655

Email : commercedeptsgnr@gmail.com
Ph. : 0154-2440056

श्री गंगानगर : एक परिचय

श्रीगंगानगर राजस्थान प्रदेश का उत्तरी जनपद है, जिसकी सीमा पाकिस्तान व पंजाब से लगती है। ऐतिहासिक दृष्टि से यह जनपद सरस्वती एवं दृषवती नदियों के अपवाह क्षेत्र में स्थित है। सिंधु सभ्यता का स्थल कालीबंगा, बरोर ग्राम, कुषाणकालीन रंगमहल, तीसरी शती में निर्मित भटनेर दुर्ग, 11वीं शताब्दी का गोगामेडी मंदिर, 12वीं शताब्दी का ब्रह्माणी माता मंदिर, मुगलकालीन भद्रकाली मंदिर सहित प्राचीन खेतरपाल मंदिर, आजादीपूर्व का रेलवे स्टेशन हिंदूमल कोट, गुरुद्वारा बुढ्ढा जोहड़, गुरुद्वारा सुक्खा सिंह महताब सिंह, शिलामाता मंदिर, लैला मजनूं की मजार, नग्गी अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर, शिवपुर हैड, बड़ोप्पल यहां के निकटवर्ती ऐतिहासिक दर्शनीय क्षेत्र हैं।

गंगनहर से सिंचित यह 'धान का कटोरा' ऐतिहासिकता को समेटे हुए आधुनिक कृषि संपन्न नगर है। वैचारिक सद्भाव और गतिशीलता इस अंचल की अपनी विशिष्टता है। इस क्षेत्र का नामकरण बीकानेर के महाराजा गंगासिंह के नाम पर हुआ है। श्रीगंगानगर पहुंचने के लिए बस एवं रेल मार्ग की सुविधा उपलब्ध है।

महाविद्यालय : परिचय

1946 से स्थापित यह महाविद्यालय इस अंचल का सबसे बड़ा शिक्षण केंद्र है। यहां विज्ञान, वाणिज्य, कला, प्रबंध सहित कंप्यूटर के स्नातकोत्तर संकाय संचालित हैं। विभिन्न विषयों में यहां शोध कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्नत व समृद्ध पुस्तकालय के साथ भूगोल व विज्ञान की नवीन उपकरणों से सज्जित प्रयोगशालाएं हैं।

स्मार्ट क्लासेज, खेल के मैदान, हरे भरे लॉन मेहनती और कुशल शिक्षक इस संस्थान की पहचान है। इस महाविद्यालय से पढ़ कर निकले विद्यार्थी देश की प्रगति में योगदान देते हुए अनेक संस्थाओं और भिन्न भिन्न क्षेत्रों की शोभा बढ़ा रहे हैं।

विषय का निहितार्थ

ऐतिहासिक संदर्भ में 'ग्लोबल साउथ' शब्द का प्रयोग पूर्व उपनिवेशित देशों एवं विकसित पश्चिमी देशों के बीच आर्थिक असमानताओं को उजागर करने के लिये किया जाता है। यह आर्थिक वृद्धि और विकास में इन देशों के सामने आने वाली चुनौतियों को रेखांकित करता है।

वर्ष 1964 में 77 देशों का समूह (G –77) अस्तित्व में आया, इसमें अब एशिया, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका, कैरेबियन और ओशिनिया के 134 देश शामिल हैं। इन्हें 'तीसरी दुनिया' के देश कहा गया, इन देशों को अपनी अर्थव्यवस्थाओं में सुधार एवं विस्तार के लिए अपनी नई भूमिका की तलाश थी। कोविड–19 महामारी, आर्थिक मंदी, रूस–यूक्रेन संघर्ष आदि कारकों का वैश्विक आर्थिक स्थितियों पर प्रभाव पड़ा। इसका विकासशील दुनिया पर तीव्र प्रभाव देखा गया, जिसने वैश्विक मामलों की परस्पर संबद्धता एवं अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में ग्लोबल साउथ के महत्त्व पर और अधिक ध्यान आकृष्ट किया। इन्हीं कारणों से हाल के दिनों में ग्लोबल साउथ ने अपना महत्त्व और प्रासंगिकता फिर से हासिल कर ली है, जो उभरती वैश्विक व्यवस्था को आयाम देने में क्षेत्र के महत्त्व की बढ़ती मान्यता को दर्शाता है। "वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ" शिखर सम्मेलन ग्लोबल साउथ के देशों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ समावेशिता और परामर्श के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। यह पश्चिमी देशों के प्रभुत्व वाली पारंपरिक शक्ति संरचनाओं से दूर जाने का संकेत देता है।

भारत के भू–राजनीतिक गणित में यह नेतृत्व करने का समय है। सबसे बड़े कार्यशील लोकतंत्र के रूप में भारत की प्रतिष्ठा, तेजी से बढ़ती और उभरती अर्थव्यवस्था, अत्यधिक कुशल कार्यबल, एक विकासशील भागीदार के रूप में उत्कृष्ट ट्रैक रिकॉर्ड है।

भारत ने समझदारी से खुद को ग्लोबल साउथ के नेता के रूप में पेश करने से परहेज किया है और इसके बजाय अधिक स्वीकार्य वाक्यांश 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ' को चुना है।

भारत के इन प्रयासों से जहां भारत को कूटनीतिक सफलता दक्षिण विश्व में मिल रही है, वहीं उसको एक बड़ा बाजार भी उपलब्ध हो रहा है। जहां चीन के दबदबे को खत्म कर भारत ग्लोबल साउथ के देशों को चीन के कर्ज से जाल से बचा रहा है वहीं भारत उसका विकल्प बन रहा है। इसके साथ भारत के इन देशों के साथ व्यापारिक संबंध भी मजबूत हो रहे हैं। इसलिए भारत अमेरिका और चीन दोनों से समानांतर अपने संबंध कायम रखने में कामयाब हुआ है।

यदि भारत ग्लोबल साउथ का खिलाड़ी बनता है और इस महत्त्वाकांक्षा को प्रभावी नीति में बदल पाता है तो सामरिक और कूटनीति लक्षण के साथ आर्थिक लक्ष्यों की प्राप्ति सहज ही की जा सकती है।

संगोष्ठी हेतु प्रस्तावित उप विषय

वाणिज्य/ अर्थशास्त्र

- ग्लोबल साउथ में भारत : भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव
- ग्लोबल साउथ में भारत के कदम : एक नये बाजार की तलाश
- बैंकिंग सुधार और खाद्य सुरक्षा की समस्याओं के हल में ग्लोबल साउथ देशों की भूमिका

राजनीति विज्ञान

- ग्लोबल साउथ में शांति, सुरक्षा और विकास की कड़ी है भारत की सक्रिय भूमिका
- चीन के बढ़ते प्रभावों के लिए संतुलन हेतु आवश्यक है ग्लोबल साउथ संगठन
- जी–20 की भूमिका, भारत और ग्लोबल साउथ देश
- भारतीय विदेश नीति एवं सामरिक नीति के नये आयाम : ग्लोबल साउथ संघ के संदर्भ में

भूगोल

- जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण और ग्लोबल साउथ का मंच
- प्राकृतिक संसाधनों का वितरण और ग्लोबल साउथ देश
- ग्लोबल साउथ देश और कार्बन उत्सर्जन

इतिहास

- दक्षिण विश्व के देशों से ऐतिहासिक संबंधों का अध्ययन
- दक्षिण विश्व के देशों से भारत के व्यापारिक संबंध

कला, साहित्य एवं संस्कृति

- भारतीय संस्कृति, कला और समाज पर ग्लोबल साउथ संघ का असर
- दक्षिण विश्व के देश और भारत : साहित्य, संस्कृति का समन्वय
- ग्लोबल साउथ और गिरमिटिया साहित्य

विज्ञान

- प्रौद्योगिकी और अनुसंधान की नई दिशाएं : ग्लोबल साउथ मंच
- रक्षा, अनुसंधान के क्षेत्र में भागीदारी और ग्लोबल साउथ के देश
- ग्लोबल साउथ में विज्ञान और तकनीकी का विकास एवं हस्तांतरण

समाज विज्ञान

- भारत के भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप है ग्लोबल साउथ संघ
- आर्टिफिशियल इंटिलेजेंस और ग्लोबल साउथ के देश
- भारत की चुनौतियां : ग्लोबल साउथ देशों के परिप्रेक्ष्य में
- ग्लोबल साउथ के देश : आर्थिक असमानता के विरुद्ध संघर्ष
- भारत के लिए अफ्रीकी संघ का महत्त्व
- विश्व शांति की दिशा में नवीन प्रयास : ग्लोबल साउथ संघ

प्रतिभागी उपर्युक्त बिंदुओं के आधार पर मिलते–जुलते अन्य विषयों पर भी अपना आलेख तैयार कर सकता है।